भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 444

जिसका उत्तर 27 नवंबर, 2024 को दिया जाना है ।

6 अग्रहायण , 1946 (शक)

सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए संशोधित कार्यक्रम

444. श्री बी. के. पार्थसारथी:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) संशोधित सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम विकास कार्यक्रम के अंतर्गत भारत में स्वीकृत सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण इकाइयों की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) उपर्युक्त कार्यक्रम के अंतर्गत इन सुविधाओं के विकास के लिए आवंटित, वितरित और उपयोग की गई धनराशि कितनी है;

(ग) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों/सुविधाओं की स्थापना के लिए आंध्र प्रदेश से प्राप्त प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है;

(घ) इस कार्यक्रम के अंतर्गत आंध्र प्रदेश से स्वीकृत परियोजनाओं सहित उनकी स्थिति और उन पर होने वाली लागत का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य से प्राप्त प्रस्तावों, जो अभी भी मंजूरी के लिए लंबित हैं, का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ड.) : सरकार ने देश में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए 76,000 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को मंजूरी दी है:

- भारत में सेमीकंडक्टर फैब्स की स्थापना, जिसके तहत भारत में सिलिकॉन सीएमओएस आधारित सेमीकंडक्टर फैब्स की स्थापना के लिए परियोजना लागत के 50% के समतुल्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।
- भारत में डिस्प्ले फैब की स्थापना, जिसके तहत भारत में डिस्प्ले फैब की स्थापना के लिए परियोजना लागत के 50% के बराबर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।
- भारत में कम्पाउंड सेमीकंडक्टर / सिलिकॉन फोटोनिक्स / सेंसर्स फैब / डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब और सेमीकंडक्टर असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) / ओएसएटी सुविधाओं की स्थापना, जिसके तहत भारत में कम्पाउंड सेमीकंडक्टर / सिलिकॉन फोटोनिक्स (एसआईपीएच) / सेंसर्स (एमईएमएस सहित) फैब / डिस्क्रीट सेमीकंडक्टर फैब और सेमीकंडक्टर एटीएमपी / ओएसएटी सुविधाओं की स्थापना के लिए समान आधार पर पूंजीगत व्यय के 50% के बराबर राजकोषीय सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

- 'डिजाइन लिंक्ड प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना ' के माध्यम से डिजाइन पर प्रोत्साहन प्रदान करना, जिसके तहत प्रति आवेदन ₹15 करोड़ की अधिकतम सीमा के अध्यधीन पात्र व्यय का 50 % तक "उत्पाद डिजाइन लिंक्ड प्रोत्साहन" प्रदान करने का प्रावधान है और साथ ही इसके तहत प्रति आवेदन ₹30 करोड़ की अधिकतम सीमा के अध्यधीन 5 वर्षों में शुद्ध बिक्री कारोबार के 6% से 4% तक "परिनियोजन संबद्ध प्रोत्साहन" भी प्रदान करने का प्रावधान है।
- सरकार ने कार्यकुशलता और चक्र समय बढ़ाने के लिए सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला, मोहाली के आधुनिकीकरण को भी मंजूरी दे दी है।

सरकार ने सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम के तहत 1 लाख 52 हजार करोड़ रुपए के संचयी निवेश के साथ पांच (5) सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी दी है। ये सभी स्वीकृत परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इसके अलावा, भारतीय उत्पादों के लिए चिप्स डिजाइन करने के लिए डिजाइन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम के तहत 15 सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों को भी मंजूरी दी गई है। इसके अतिरिक्त, 41 सेमीकंडक्टर डिजाइन कंपनियों को चिप्स डिजाइन करने के लिए आवश्यक उपकरण (जिन्हें ईडीए उपकरण कहा जाता है) और जो सी-डैक, बेंगलुरु में चिपइन सेंटर में स्थापित राष्ट्रीय ईडीए टूल ग्रिड द्वारा उपलब्ध कराए जा रहें है, तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु मंजूरी दी गई है।

चिप डिजाइन के लिए कुशल जनशक्ति तैयार करने हेतु सरकार ने चिप्स टू स्टार्टअप ('सी2एस') कार्यक्रम शुरू किया है, जिसके तहत वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन में लगभग 113 सहभागी संस्थानों में 85 हजार विशेषज्ञ कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने की योजना है। इन पहलों के तहत समर्थित आंध्र प्रदेश के संस्थानों की सूची अनुलग्नक-I में दी गई है।

****

अनुलग्नक-I

सी2एस के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने वाले आंध्र प्रदेश स्थित संस्थान

1. भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान कुरनूल
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान तिरुपति
3. जेएनटीयू, अनंतपुर
4. जेएनटीयू, काकीनाडा
5. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान आंध्र प्रदेश
6. श्री विष्णु इंजीनियरिंग कॉलेज फॉर वुमेन, भीमावरम
7. एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश
8. वी. आर. सिद्धार्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, विजयवाड़ा
9. विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान के लिए विग्नान फाउंडेशन, गुंटूर
10. वीआईटी-आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, अमरावती, आंध्र प्रदेश

******